

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3--- उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 30]

्निई घिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 17, 1974/पौष 27, 1895

No. 30]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 17, 1974/PAUSA 27, 1895

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सबै।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 17th January 1974

8.0. 43(E)/IDRA/74.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 35(E)/18FB/IDRA/73, dated the 19th January, 1973, (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all or any of the contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, or other instruments in force immediately before the publication of the said Order in the Official Gazette to which the industrial undertaking known as Messrs. India Machinery Company Limited, Howrah, is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended upto 18th January, 1974 and all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended upto 18th January, 1974;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for another one year commencing from the 19th January, 1974;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto the 18th January, 1975.

[No. F.25/26/72-CUC]
D. K. SAXENA, Jt. Secy.

ग्रीद्योगिक विकास मंत्रालय

श्रादेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1974

का० ग्रा० 43 (ग्र)/ग्राई की ग्रार ए/74.—ग्रातः केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के ग्रौद्योगिक विकास मंद्रालय (ग्रौद्योगिक विकास विभाग) के ग्रादेण सं०का० ग्रा० 35 (ई)/18 एक वी/ग्राई डी ग्रार ए/73, तारीख 19 जनवरी, 1973, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रादेश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास ग्रौर विनियमन) ग्रिप्रिनियम, 1951 (1951 का 65) की घारा 18 च ख की उप धारा (1) द्वारा प्रदक्त शर्वतयों का प्रयोग करते हुए घोषणा की थी कि राजपन्न में उक्त ग्रादेश के प्रकाणन के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविद्यात्रों, सम्पत्ति के हस्तान्तरण-पत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों या ग्रन्य लिखतों या उनमें से किसी का प्रवर्तन, जिसका मेसर्स इंडिया मशीनरी कम्पनी लिमिटेड, हायड़ा नामक ग्रौद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो उक्त ग्रौद्योगिक उपक्रम को लागू हो, 18 जनवरी, 1974 तक निलम्बत रहेगा ग्रीर उक्त तारीख से पूर्व उसके ग्रधीन प्रोर्भृत या उद्भृत होने वाले सभी ग्रधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं ग्रौर दायित्व 18 जनवरी, 1974 तक निलम्बत रहेगे ;

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार का सर्माधान हो गया है कि उक्त ग्रादेण की श्रवधि एक वर्ष के लिए श्रीर बढ़ाई जानी चाहिए, जो 19 जनवरी, 1974 से प्रारम्भ होगी ;

श्रतः, ग्रवः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास ग्रीर यिनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिंधतयों का प्रयोग करते हुए, उक्त ग्राधिश की अवधि 18 जनवरी, 1975 तक बहुत्ती है।

[सं० फा० 25/26/72-सी यू सी]

डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव ।